Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Workshop on 'Digital Hindi'

Newspaper: Amar Ujala **Date: 09-07-2022**

कार्यशाला

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में राजभाषा अनुभाग का कार्यक्रम

हिंदी में प्राथमिक शिक्षण सामग्री जरूरी : बिजेंद्र

संवाद न्यूज एजेंसी

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंविवि) महेंद्रगढ़ में डिजिटल हिंदी पर केंद्रित कार्यशाला करवाई गई। विश्वविद्यालय के राजभाषा अनुभाग व नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति (नराकास) द्वारा कार्यशाला में विश्वविद्यालय के छात्र कल्याण अधिष्ठाता प्रो. आनंद शर्मा ने कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार का संदेश प्रस्तुत किया।

प्रो. आनंद शर्मा ने कहा कि वर्तमान युग में तकनीक की भूमिका बेहद महत्वपूर्ण हो गई है। कोरोना काल के दौरान अध्ययन-अध्यापन का कार्य तकनीक के माध्यम से ही सुचारु रूप से चल सका।

कार्यशाला में संबोधित करते डॉ. बिजेंद्र कुमार। संवाद

कार्यशाला की शुरुआत विश्वविद्यालय के कुलगीत के साथ हुई। प्रो. आनंद शर्मा ने कहा कि विश्वविद्यालय प्रशासनिक स्तर पर हिंदी में कामकाज को बढ़ावा देने के लिए प्रयासरत है। इसके लिए विश्वविद्यालय के शिक्षणेतर कर्मचारी व शिक्षक निरंतर सीखने की प्रवृत्ति के साथ आगे बढ़ रहे हैं। उन्होंने नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति के अंतर्गत स्थानीय भाषाओं को दिए गए महत्व को भाषा के स्तर पर विशेष प्रयास को अहम बताया। डॉ. बिजेंद्र कुमार ने बताया कि किस तरह से तकनीकी विकास के साथ भाषा के रूप में हिंदी की स्वीकार्यता बढ़ी है। उन्होंने कहा कि हमें प्राथमिक सामग्री को हिंदी में उपलब्ध कराना होगा। विभिन्न टूल्स और वेबसाइट्स का उल्लेख करते हुए डॉ. बिजेंद्र कुमार ने बदल रहे समय में हिंदी की बढ़ती स्वीकार्यता का भी उल्लेख किया।

प्रो. कुमार ने कहा कि हिंदी अब केवल बोलचाल की भाषा नहीं रह गई है। हमें भाषा की रचनात्मकता पर ध्यान देना होगा। उन्होंने विभिन्न उदाहरणों के माध्यम से बताया कि किस तरह से हिंदी को तकनीक के साथ जोड़कर रोजगार सृजित किए जा रहे हैं। संचालन विश्वविद्यालय के हिंदी अधिकारी शैलेंद्र सिंह ने किया। धन्यवाद ज्ञापन के सहायक डॉ. सिद्धार्थ शंकर राय ने किया।

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Dainik Bhaskar **Date: 09-07-2022**

कोरोनाकाल में हिंदी और अन्य भारतीय भाषाओं के प्रति सम्मान व रूझान बढ़ा

आजादी का अमृत महोत्सव के तहत हकेंवि में डिजिटल हिंदी विषय पर हुई कार्यशाला

नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति में स्थानीय भाषाओं को दिए गए महत्त्व को बताया विशेष प्रयास

भास्कर न्यूज | महेंद्रगढ़

हकेंवि में शुक्रवार को डिजिटल हिंदी पर केंद्रित कार्यशाला का आयोजन किया गया। विश्वविद्यालय के राजभाषा अनुभाग व नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति (नराकास) द्वारा आयोजित इस कार्यशाला में विश्वविद्यालय के छात्र कल्याण अधिष्ठाता प्रो. आनंद शर्मा ने कहा कि वर्तमान युग में तकनीक की भूमिका बेहद महत्त्वपूर्ण हो गई है। आज के समय में तकनीक के बिना जीवन की कल्पना करना भी मुश्किल हो गया है। कोरोनाकाल के दौरान अध्ययन-अध्यापन का कार्य तकनीक के माध्यम से ही सुचारू रूप से चल सका। यदि हम राजभाषा हिंदी की बात करें तो पिछले कुछ वर्षों में हिंदी के वैज्ञानिक और तकनीकी विकास में महत्त्वपूर्ण चरण पूरे हुए हैं। इनमें वैज्ञानिक एवं तकनीकी शब्दावली आयोग द्वारा कई विषयों की मानक शब्दावली तैयार

करना प्रमुख हैं। विश्वविद्यालय भी अपने स्तर पर हिंदी के प्रचार-प्रसार के लिए प्रयासरत है। आज की यह कार्यशाला भी इसी प्रयास का एक हिस्सा है।

कार्यशाला में विशेषज्ञ वक्ता के रूप में डॉ. भीमराव अंबेडकर कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय के सह-आचार्य डॉ. बिजेंद्र कुमार उपस्थित रहे। आजादी का अमृत महोत्सव के तहत आयोजित इस कार्यशाला की शुरुआत विश्वविद्यालय के कुलगीत के साथ हुई। प्रो. आनंद शर्मा ने अपने संबोधन में कहा कि विश्वविद्यालय प्रशासनिक स्तर पर हिंदी में काम-काज को बढ़ावा देने के लिए प्रयासरत है। इसके लिए विश्वविद्यालय के शैक्षणेत्तर कर्मचारी व शिक्षक निरंतर सीखने की प्रवृत्ति के साथ आगे बढ़ रहे हैं। उन्होंने नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति के अंतर्गत स्थानीय भाषाओं को दिए गए महत्त्व को भाषा के स्तर पर विशेष प्रयास को अहम बताया।

कार्यशाला में विषय विशेषज्ञ के रूप में उपस्थित डॉ. बिजेंद्र कुमार ने कहा कि कोरोनाकाल में हिंदी व अन्य भारतीय भाषाओं के प्रति सम्मान व रूझान बढ़ा है और तकनीक के मोर्चे पर गूगल, माइक्रोसॉफ्ट आदि कंपनियां भी हिंदी को बढ़ावा देने के लिए प्रयास कर रही हैं। ऑनलाइन व ऑफलाइन दोनों ही माध्यमों से आयोजित इस कार्यशाला में विभिन्न विभागों के विभागाध्यक्ष, शिक्षक, विद्यार्थी, शोधार्थी व शैक्षणेत्तर कर्मचारियों सहित नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति के सदस्य भी उपस्थित रहे।

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Dainik Jagran **Date: 09-07-2022**

तकनीकी विकास के साथ हिंदी की स्वीकार्यता बढ़ी

संवाद सहयोगी, महेंद्रगढ़: हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय महेंद्रगढ़ में शुक्रवार को डिजिटल हिंदी पर केंद्रित कार्यशाला का आयोजन किया गया। विश्वविद्यालय के राजभाषा अनुभाग व नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति द्वारा आयोजित इस कार्यशाला में विश्वविद्यालय के छात्र कल्याण अधिष्ठाता प्रो. आनंद शर्मा ने कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार का संदेश प्रस्तुत करते हुए कहा कि वर्तमान युग में तकनीक की भूमिका बेहद महत्वपूर्ण हो गई है। आज के समय में तकनीक के बिना जीवन की कल्पना करना भी मुश्किल हो गया है।

कोरोना काल के दौरान अध्ययन-अध्यापन का कार्य तकनीक के माध्यम से ही सुचारू रूप से चल सका। यदि हम राजभाषा हिंदी की बात करें तो पिछले कुछ वर्षों में हिंदी के वैज्ञानिक और तकनीकी विकास में महत्वपूर्ण चरण पूरे हुए हैं। इनमें वैज्ञानिक एवं तकनीकी शब्दावली आयोग द्वारा कई विषयों की मानक शब्दावली तैयार करना प्रमुख हैं। विश्वविद्यालय भी अपने

हकेवि में आयोजित कार्यशाला को संबोधित करते डा. बिजेंद्र कुमार ● सौ. संस्था

स्तर पर हिंदी के प्रचार-प्रसार के लिए प्रयासरत है। आज की यह कार्यशाला भी इसी प्रयास का एक हिस्सा है। कार्यशाला में विशेषज्ञ वक्ता के रूप में डा. भीमराव आंबेडकर कालेज, दिल्ली विश्वविद्यालय के सह-आचार्य डा. बिजेंद्र कुमार उपस्थित रहे। आजादी का अमृत महोत्सव के तहत आयोजित इस कार्यशाला की शुरुआत विश्वविद्यालय के कुलगीत के साथ हुई।

प्रो. आनंद शर्मा ने कहा कि विश्वविद्यालय प्रशासनिक स्तर पर हिंदी में काम-काज को बढ़ावा देने के लिए प्रयासरत है। उन्होंने नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति के अंतर्गत स्थानीय भाषाओं को दिए गए महत्व को भाषा के स्तर पर विशेष प्रयास को अहम बताया।

कार्यशाला में विषय विशेषज्ञ के रूप में उपस्थित डा. बिजेंद्र कुमार ने तकनीक और हिंदी के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि किस तरह से तकनीकी विकास के साथ भाषा के रूप में हिंदी की स्वीकार्यता बढ़ी है। इसके लिए उन्होंने विशेष प्रयास करने पर जोर देते हुए कहा कि हमें प्राथमिक सामग्री को हिंदी में उपलब्ध कराना होगा। विभिन्न टूल्स और वेबसाइट्स का उल्लेख करते हुए डा. बिजेंद्र कुमार ने बदल रहे समय में हिंदी की बढ़ती स्वीकार्यता का भी उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि कोरोना काल में हिंदी व अन्य भारतीय भाषाओं के प्रति सम्मान व रुझान बढ़ा है और तकनीक के मोर्चे पर गूगल, माइक्रोसाफ्ट आदि कंपनियां भी हिंदी को बढ़ावा देने के लिए प्रयास कर रही हैं। प्रो. कुमार ने कहा कि हिंदी अब केवल बोलचाल की भाषा नहीं रह गई है। हमें भाषा की रचनात्मकता पर ध्यान देना होगा। कार्यशाला में मंच का संचालन विश्वविद्यालय के हिन्दी अधिकारी शैलेंद्र सिंह ने किया, जबकि धन्यवाद ज्ञापन विश्वविद्यालय में हिंदी विभाग के सहायक आचार्य डा. सिद्धार्थ शंकर राय ने प्रस्तुत किया। आनलाइन व आफलाइन दोनों ही माध्यमों से आयोजित इस कार्यशाला में विभिन्न विभागों के विभागाध्यक्ष, शिक्षक, विद्यार्थी, शोधार्थी व कर्मचारियों सहित नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति के सदस्य भी उपस्थित रहे।

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Haribhoomi **Date: 09-07-2022**

हकेंवि में डिजिटल हिंदी विषय पर कार्यशाला आयोजित

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में शुक्रवार को डिजिटल हिंदी पर केंद्रित कार्यशाला का आयोजन किया गया। विश्वविद्यालय के राजभाषा अनुभाग व नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति (नराकास) द्वारा आयोजित कार्यशाला में विश्वविद्यालय के छात्र कल्याण अधिष्ठाता प्रो. आनंद शर्मा ने कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार का संदेश प्रस्तुत करते हुए कहा कि वर्तमान युग में तकनीक की भूमिका बेहद महत्वपूर्ण हो गई है।

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Punjab Kesari **Date: 09-07-2022**

हकेंवि में डिजिटल हिंदी विषय पर कार्यशाला का आयोजन

हकेंवि में आयोजित कार्यशाला को संबोधित करते डॉ. बिजेंद्र कुमार।

■ दिल्ली विश्वविद्यालय के डॉ. बिजेंद्र कुमार विशेषज्ञ के रूप में रहे उपस्थित

महेंद्रगढ़, 8 जुलाई (परमजीत/मोहन) : हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि), महेंद्रगढ़ में डिजिटल हिंदी पर केंद्रित कार्यशाला का आयोजन किया गया। विश्वविद्यालय के राजभाषा अनुभाग व नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति (नराकास) द्वारा आयोजित इस कार्यशाला में विश्वविद्यालय के छात्र कल्याण अधिष्ठाता प्रो. आनंद शर्मा ने कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार का संदेश प्रस्तुत करते हुए कहा कि वर्तमान युग में तकनीक की भूमिका बेहद महत्वपूर्ण हो गई है। आज के समय में तकनीक के बिना जीवन की कल्पना करना भी मुश्किल हो गया है।कोरोना काल के दौरान अध्ययन-अध्यापन का कार्य तकनीक के माध्यम से ही सुचारू रूप से चल सका। यदि हम राजभाषा हिंदी की बात करें तो पिछले कुछ वर्षों में हिंदी के वैज्ञानिक और तकनीकी विकास में महत्वपूर्ण चरण पूरे हुए हैं।

इनमें वैज्ञानिक एवं तकनीकी शब्दावली आयोग द्वारा कई विषयों की मानक शब्दावली तैयार करना प्रमुख हैं।

विश्वविद्यालय भी अपने स्तर पर हिंदी के प्रचार-प्रसार के लिए प्रयासरत है।आज की यह कार्यशाला भी इसी प्रयास का एक हिस्सा है। कार्यशाला में विशेषज्ञ वक्ता के रूप में डॉ. भीमराव अम्बेडकर कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय के सह-आचार्य डॉ. बिजेंद्र कुमार उपस्थित रहे। आजादी का अमृत महोत्सव के तहत आयोजित इस कार्यशाला की शुरूआत विश्वविद्यालय के कुलगीत के साथ हुई। प्रो. आनंद शर्मा ने अपने संबोधन में कहा कि विश्वविद्यालय प्रशासनिक स्तर पर हिंदी में काम-काज को बढ़ावा देने के लिए प्रयासरत है।

इसके लिए विश्वविद्यालय के शिक्षणेतर कर्मचारी व शिक्षक निरंतर सीखने की प्रवृत्ति के साथ आगे बढ़ रहे हैं। उन्होंने नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति के अंतर्गत स्थानीय भाषाओं को दिए गए महत्व को भाषा के स्तर पर विशेष प्रयास को अहम बताया।

कोरोना काल में हिंदी व अन्य भारतीय भाषाओं के प्रति सम्मान व रुझान बढ़ा

कार्यशाला में विषय विशेषज्ञ के रूप में उपस्थित डॉ. बिजेंद्र कुमार ने तकनीक और हिंदी के महत्व पर प्रकाश डाला।उन्होंने बताया कि किस तरह से तकनीकी विकास के साथ भाषा के रूप में हिंदी की स्वीकार्यता बढ़ी है। इसके लिए उन्होंने विशेष प्रयास करने पर जोर देते हुए कहा कि हमें प्राथमिक सामग्री को हिंदी में उपलब्ध कराना होगा।

विभिन्न टूल्स और वैबसाइट्स का उल्लेख करते हुए डॉ. बिजेंद्र कुमार ने बदल रहे समय में हिंदी की बढ़ती स्वीकार्यता का भी उल्लेख किया।उन्होंने कहा कि कोरोना काल में हिंदी व अन्य भारतीय भाषाओं के प्रति सम्मान व रुझान बढ़ा है और तकनीक के मोर्चे पर गूगल, माइक्रोसॉफ्ट आदि कम्पनियां भी हिंदी को बढ़ावा देने के लिए प्रयास कर रही हैं।

प्रो. कुमार ने कहा कि हिंदी अब केवल बोलचाल की भाषा नहीं रह गई है। हमें भाषा की रचनात्मकता पर ध्यान देना होगा।

उन्होंने विभिन्न उदाहरणों के माध्यम से बताया कि किस तरह से हिंदी को तकनीक के साथ जोड़कर रोजगार सृजित किए जा रहे हैं। कार्यशाला में मंच का संचालन विश्वविद्यालय के हिन्दी अधिकारी शैलेंद्र सिंह ने किया जबकि धन्यवाद ज्ञापन विश्वविद्यालय में हिंदी विभाग के सहायक आचार्य डॉ. सिद्धार्थशंकर राय ने प्रस्तुत किया।

ऑनलाइन व ऑफलाइन दोनों ही माध्यमों से आयोजित इस कार्यशाला में विभिन्न विभागों के विभागाध्यक्ष, शिक्षक, विद्यार्थी, शोधार्थी व शिक्षणेत्तर कर्मचारियों सहित नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति के सदस्य भी उपस्थित रहे।

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Punjab Kesari (Rewari) **Date: 09-07-2022**

हकेवि में डिजिटल हिंदी विषय पर कार्यशाला का आयोजन

महेंद्रगढ़, सरोज यादव (पंजाब केसरी): हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में शुक्रवार को डिजिटल हिंदी पर केंद्रित कार्यशाला का आयोजन किया गया। विश्वविद्यालय के राजभाषा अनुभाग व नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति (नराकास) द्वारा आयोजित इस कार्यशाला में विश्वविद्यालय के छात्र कल्याण अधिष्ठाता प्रो. आनंद शर्मा ने कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार का संदेश प्रस्तुत करते हुए कहा कि वर्तमान युग में तकनीक की भूमिका बेहद महत्त्वपूर्ण हो गई है। आज के समय में तकनीक के बिना जीवन की कल्पना करना भी मुश्किल हो गया है। कोरोना काल के दौरान अध्ययन-अध्यापन का कार्य तकनीक के माध्यम से ही सुचारू रूप से चल सका। यदि हम राजभाषा हिंदी की बात करें तो पिछले कुछ वर्षों में हिंदी के वैज्ञानिक और तकनीकी विकास में महत्त्वपूर्ण चरण पूरे हुए हैं।

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Punjab Kesari **Date: 07-07-2022**

हकेंवि में कुलपति ने पौधा लगाकर की पौधारोपण अभियान की शुरूआत

हकेंवि में पौधारोपण अभियान की शुरूआत करते कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार।

महेंद्रगढ़, 6 जुलाई (परमजीत/मोहन): हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय, महेंद्रगढ़ में पौधारोपण अभियान की शुरूआत हुई। विश्वविद्यालय के महिला छात्रावास परिसर में पौधारोपण कर कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने इस अभियान का आरंभ किया।

इस मौके पर कुलपति ने सभी विद्यार्थियों, शिक्षकों शोधार्थियों, शिक्षणेत्तर कर्मचारियों व उनके परिजनों से इस अभियान में सक्रिय भागीदारी की अपील की। कुलपति ने कहा कि यह अभियान विश्वविद्यालय को हरित परिसर बनाने में मददगार साबित होगा।

इस अवसर पर वन विभाग के रेंज ऑफिसर चंद्रगुप्त ने बताया कि बीते साल विश्वविद्यालय परिसर में चलाए गए पौधारोपण अभियान के अंतर्गत 2 हजार पौधे लगाए गए थे, इस बार अढ़ाई हजार निर्धारित किए गए हैं। विश्वविद्यालय के ग्रीन कैम्पस-क्लीन कैम्पस क्लब के समन्वयक प्रो. सुरेंद्र सिंह ने बताया कि पौधारोपण अभियान के अंतर्गत विश्वविद्यालय में स्थानीय वातावरण के अनुकूल पाहड़ी पापड़ी, पिलखन, शीशम, नीम आदि के पौधे लगाए जा रहे हैं।

इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो. सुनील कुमार सहित प्रो. पवन कुमार मौर्य, प्रो. रंजन अनेजा, डॉ. पायल चंदेल, डॉ. रणबीर सिंह, डॉ. मोना शर्मा, राजेश जांगड़ा व विद्यार्थी तथा वन विभाग के सहयोगी धर्मेंद्र प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

अभाविप ने सी.जे.एम. और वकीलों को वितरित किए पौधे

न्यायिक परिसर में सी.जे.एम. वर्षा जैन को पौधा भेंट करते अभाविप कार्यकर्त्ता। (गंगाविशन)

रेवाड़ी (गंगाविशन): अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद द्वारा जिला न्यायिक परिसर में पौधे वितरण कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें कार्यकर्त्ताओं ने सी.जे.एम. वर्षा जैन सहित सभी वकीलों को एक-एक पौधा भेंट किया। आज लगभग 300 पौधे वितरित किए गए।

अभाविप प्रांत खेल संयोजक योगेश भारद्वाज, जिला संयोजक विशाल यादव ने बताया कि हमें ज्यादा से ज्यादा पौधे लगाकर पर्यावरण को बचाना होगा। आज का युग आधुनिक युग है और पूरा संसार ही पर्यावरण के प्रदूषण से पीड़ित है। आज मनुष्य की हर एक सांस लेना हानिकारक है।

पर्यावरण में जहरीली गैसों की वृद्धि हो रही है। हमें पर्यावरण को नुक्सान करने वाली चीजों का योग बहुत कम करना होगा। आज की परिस्थितियों को देखते हुए हम युवा पीढ़ी को पर्यावरण के संरक्षण के लिए आगे आना होगा।

प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य आशीष शर्मा ने कहा कि पर्यावरण की सुरक्षा व संतुलन के लिए हमें जागरूक और सचेत रहना होगा। जल, वायु, ध्वनि व हर प्रकार के प्रदूषण से बचने के लिए उपाय करना होगा, तभी पर्यावरण शुद्ध व पृथ्वी की सुंदरता को चार चांद लगेंगे।

इस मौके पर चिंकी, विभाग संगठन मंत्री राकेश, शबनम, प्रीति यादव, सीमा, काजल, हर्षा, प्राची, विद्या, शिवानी, विनीता, विधि, रिया आदि मौजूद थे।